ISSN : 2583-2948

अभ्यर्थना

आलोक अविरल
महाप्रबंधक – इंडियन ऑयल कॉर्पोरेट लि॰
मो – 7506448631
ईमेल – iamalokaviral@gmail.com

पूर्णिमा के चंद्रमा से
धरा तक
ओस की सीढ़ियों से
उतरे जो चाँदनी,
तुम्हारी हो।

सुदूर क्षितिज के ऊपर
चढ़ते सूरज की
नारंगी रश्मि पताका
हरी दूब पर बिछने से पहले
तुम्हारी हो।

सावन के पहले बादलों की
गोद से उतर कर
थिरकती बूँदों से
शुद्ध, सुवासित
नृत्य करती बयार
तुम्हारी हो।

निर्झर, अविरल बहते
झरनों से आह्लादित
झील के मध्य में
श्वेत कमल पर बैठे
नीलकंठ की चहचहाहट
तुम्हारी हो।

इस पृथ्वी के हर खंड से
ब्रम्हाण्ड तक फैले

ISSN : 2583-2948

अज्ञेय आयाम से विकीर्ण
सुख की अदृश्य आकाशगंगा
तुम्हारी हो।

शाश्वत समय के अंक में इठलाते
ये क्षण तुम्हारे हों
ये वर्ष तुम्हारा हो
ये सदी तुम्हारी हो।